पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 16.04.2017 इस अंक का मल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

महात्मा हंसराज दिवस की
हार्दिक शुभकामनाऐं

डा.अशोक कुमार चौहान
संस्थापक अध्यक्ष
ऐमिटी शिक्षण संस्थान
ए.के.सी.हाउस,
डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

वर्ष-33 अंक-22 वैशाख-2074 दयानन्दाब्द 193 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2017 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.04.2017, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सार्वदेशिक सभा मुख्यालय में सम्पन्न

शिविरों से आर्य समाज के लिये समर्पित कार्यकर्ताओं का निर्माण करेगे—अनिल आर्य

परिषद् के तूफानी कार्यक्रमों से आर्य समाज में नयी आशा का संचार—स्वामी आर्यवेश

सम्बोधित करते हुए डा.अनिल आर्य,मंच पर बांये से स्वतन्त्र कुकरेजा(प्रान्तीय अध्यक्ष,हरियाणा), धर्मपाल आर्य (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), रामकुमार आर्य (संचालक,दिल्ली प्रदेश), महेन्द्र भाई (राष्ट्रीय महामंत्री),गवेन्द्र शास्त्री (राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष), रामकृष्ण शास्त्री (प्रान्तीय अध्यक्ष,राजस्थान), यशोवीर आर्य (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)

रविवार, 9 अप्रैल 2017, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सक्रिय कार्यकताओं की बैठक सार्वदेशिक सभा मुख्यालय, दयानन्द भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य की अध्यक्षता में सोल्लास सम्पन्न हुई। डा.अनिल आर्य ने कहा कि परिषद् इस वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश में 20 शिविरों का आयोजन करने जा रही है, जिससे नई युवा पीढ़ी को मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त,देश भक्त बनाया जाये, यह संस्कार हमारी आज की शिक्षा पद्वति देने में असफल सिद्व हुई है। उन्होंने कहा कि शिविरों से तैयार युवा महर्षि दयानन्द के मिशन को मिश्नरी भावना से आगे बढ़ायेगे। आज समर्पित कार्यकताओं का आर्य समाज में अभाव हो गया है जिसकी कमी को केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् पूरी करेगा।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश ने कहा कि हमने सैंकड़ों शिविर लगायें है यदि हमें अच्छे कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है तो वह शिविरों से ही हो सकता है,इस दिशा में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का प्रयास स्तुत्य है जिससे आज आर्य समाज में नयी आशा ओर उत्साह का वातावरण बन रहा है। बैठक का कुशल संचालन महामंत्री महेन्द्र भाई ने किया। सभी साथियों ने अपने अपने विचार रखे व शिविरों को सफल बनाने का संकल्प लिया। प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने ओजस्वी गीत द्वारा प्रेरणा दी। आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, प्रवीन आर्य, विजय कपूर, वीरेन्द्र योगाचार्य, हरिओम दलाल (बहादुरगढ़), अरूण आर्य, वेदप्रकाश आर्य, संजीव ढाका(बागपत), विश्वनाथ आर्य, कवि विजय गुप्त, सत्यपाल सैनी, देवदत आर्य, महेन्द्रसिंह चौहान, शिशुपाल आर्य आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। प्रीति भोज का आनन्द लेकर सभी विदा हुए।

आर्य समाज की शिरोमणि "सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा" के प्रधान स्वामी आर्यवेश का अभिनन्दन

परिषद् की बैठक में स्वामी आर्यवेश जी का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,यशोवीर आर्य,रामकुमार आर्य,महेन्द्र भाई,वेदप्रकाश आर्य व कमल आर्य। द्वितीय चित्र—सार्वदेशिक सभा के सभागार में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की बैठक का सुन्दर द्रश्य।

पुराणों के कृष्ण बनाम महाभारत के कृष्ण

– डॉ. विवेक आर्य

प्रशांत भूषण ने उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा चलाये जा रहे रोमियो अभियान के विरोध में श्री कृष्ण जी महाराज पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए श्रीकृष्ण जी को छेड़छाड़ करने वाला बताया है। इसे हम विडम्बना ही कहेंगे कि श्रीकृष्ण जी पर झूठे आरोप लगाकर प्रशांत भूषण अपने राजनीतिक हितों को साधना चाहते हैं। वैसे श्रीकृष्ण जी ऐसे मिथ्या आरोप पहले भी लगते रहे है।

फिल्म रेडी में सलमान खान पर फिल्माया गया गाना "कुड़ियों का नशा प्यारे, नशा सबसे नशीला है, जिसे देखों यहाँ वो, हुसन की बारिश में गीला है, इश्क के नाम पे करते सभी अब रासलीला है, मैं करूँ तो साला, Character ढीला है, मैं करूँ तो साला,Character ढीला है। "सन 2005 में उत्तर प्रदेश में पुलिस अफसर डी के पांडा राधा के रूप में सिंगार करके दफ्तर में आने लगे और कहने लगे की मुझे कृष्ण से प्यार हो गया है और में अब उनकी राधा हूँ। अमरीका से उनकी एक भगत लड़की आकर साथ रहने लग गई। उनकी पत्नी वीणा पांडा का कथन था की यह सब ढोंग है।इस्कोन के संस्थापक प्रभुपाद जी एवं अमरीका में धर्म गुरु दीपक चोपरा के अनुसार "कृष्ण को सही प्रकार से जानने के बाद ही हम वैलंटाइन डे (प्रेमिओं का दिन) के सही अर्थ को जान सकते है। इस्लाम को मानने वाले जो बहुपत्नीवाद में विश्वास करते है सदा कृष्ण जी महाराज पर 16000 रानी रखने का आरोप लगा कर उनका माखोल करते है।

इस लेख के माध्यम से हम श्रीकृष्ण जी के विषय में फैलाई जा रही भ्रांतियों का निराकरण करेंगे।

प्रसिद्द समाज सुधारक एवं वेदों के प्रकांड पंडित स्वामी दयानंद जी ने अपने अमर ग्रन्थ सत्यार्थ प्रकाश में श्रीकृष्ण जी महाराज के बारे में लिखते है कि पूरे महाभारत में श्रीकृष्ण के चरित्र में कोई दोष नहीं मिलता एवं उन्हें आप्त (श्रेष्ठ) पुरुष कहाँ है। स्वामी दयानंद श्री कृष्ण जी को महान विद्वान सदाचारी, कुशल राजनीतीज्ञ एवं सर्वथा निष्कलंक मानते है फिर श्रीकृष्ण जी के विषय में चोर, गोपिओं का जार (रमण करने वाला), कुब्जा से सम्भोग करने वाला, रणछोड़ आदि प्रसिद्द करना उनका अपमान नहीं तो क्या है? श्रीकृष्ण जी के चरित्र के विषय में ऐसे मिथ्या आरोप का आधार क्या है? इन गंदे आरोपों का आधार है पुराण। आइये हम सप्रमाण अपने पक्ष को सिद्ध करते है।

पुराण में गोपियों से कृष्ण का रमण करने का मिथ्या वर्णन विष्णु पुराण अंश 5 अध्याय 13 श्लोक 59–60 में लिखा है–वे गोपियाँ अपने पति, पिता और भाइयों के रोकने पर भी नहीं रूकती थी रोज रात्रि को वे रति "विषय भोग" की इच्छा रखने वाली कृष्ण के साथ रमण "भोग" किया करती थी। कृष्ण भी अपनी किशोर अवस्था का मान करते हुए रात्रि के समय उनके साथ रमण किया करते थे। कृष्ण उनके साथ किस प्रकार रमण करते थे पुराणों के रचियता ने श्रीकृष्ण को कलंकित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

भागवत पुराण स्कन्द 10 अध्याय 33 शलोक 17 में लिखा है –कृष्ण कभी उनका शरीर अपने हाथों से स्पर्श करते थे, कभी प्रेम भरी तिरछी चितवन से उनकी और देखते थे, कभी मस्त हो उनसे खुलकर हास विलास 'मजाक' करते थे। जिस प्रकार बालक तन्मय होकर अपनी परछाई से खेलता है वैसे ही मस्त होकर कृष्ण ने उन ब्रज सुंदरियों के साथ रमण, काम क्रीड़ा 'विषय भोग' किया। भागवत पुराण स्कन्द 10 अध्याय 29 शलोक 45–46 में लिखा है –कृष्णा ने जमुना के कपूर के सामान चमकीले बालू के तट पर गोपिओं के साथ प्रवेश किया। वह स्थान जलतरंगों से शीतल व कुमुदिनी की सुगंध से सुवासित था। वहां कृष्ण ने गोपियों के साथ रमण बाहें फैलाना, आलिंगन करना, गोपियों के हाथ दबाना, उनकी छोटी पकरना, जांघो पर हाथ फेरना, लहंगे का नारा खींचना, स्तन पकड़ना, मजाक करना नाखूनों से उनके अंगों को नोच नोच कर जख्मी करना, विनोदपूर्ण चितवन से देखना और मुस्कराना तथा इन क्रियाओं के द्वारा नवयोवना गोपिओं को खूब जागृत करके उनके साथ कृष्णा ने रात में रमण (विषय भोग) किया। ऐसे अभद्र विचार कृष्णा जी महाराज को कलंकित करने के लिए भागवत के रचियता नें स्कन्द 10 के अध्याय 29,33 में वर्णित किये है जिसका सामाजिक मर्यादा का पालन करते हुए मैं वर्णन नहीं कर रहा हूँ।

राधा और कृष्ण का पुराणों में वर्णन–राधा का नाम कृष्ण के साथ में लिया जाता है। महाभारत में राधा का वर्णन तक नहीं मिलता। राधा का वर्णन ब्रह्मवैवर्त पुराण में अत्यंत अशोभनिय वृतांत का वर्णन करते हुए मिलता है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण कृष्ण जन्म खंड अध्याय 3 श्लोक 59–62 में लिखा है कि गोलोक में कृष्ण की पत्नी राधा ने कृष्ण को पराई औरत के साथ पकड़ लिया तो शाप देकर कहाँ दृ हे कृष्ण ब्रज के प्यारे, तू मेरे सामने से चला जा तू मुझे क्यों दुःख देता है दृ हे चंचल , हे अति लम्पट कामचोर मैंने तुझे जान लिया है। तू मेरे घर से चला जा। तू मनुष्यों की भांति मैथुन करने में लम्पट है, तुझे मनुष्यों की योनी मिले, तू गौलोक से भारत में चला जा। हे सुशीले, हे शाशिकले, हे पद्मावती, हे माधवों! यह कृष्ण धूर्त है इसे निकल कर बहार करो, इसका यहाँ कोई काम नहीं। ब्रह्मवैवर्त पुराण कृष्ण जन्म खंड अध्याय 15 में राधा का कृष्ण से रमण का अत्यंत अश्लील वर्णन लिखा है जिसका सामाजिक मर्यादा का पालन करते हुए मैं यहाँ विस्तार से वर्णन नहीं कर रहा हूँ। ब्रह्मवैवर्त पुराण कृष्ण जन्म खंड अध्याय 72 में कुब्जा का कृष्ण के साथ सम्भोग भी अत्यंत अश्लील रूप में वर्णित है।

राधा का कृष्ण के साथ सम्बन्ध भी भ्रामक है। राधा कृष्ण के बामांग से पैदा होने के कारण कृष्ण की पुत्री थी अथवा रायण से विवाह होने से कृष्ण की पुत्रवधु थी चूँकि गोलोक में रायण कृष्ण के अंश से पैदा हुआ था इसलिए कृष्ण का पुत्र हुआ जबकि पृथ्वी पर रायण कृष्ण की माता यसोधा का भाई था इसलिए कृष्ण का मामा हुआ जिससे राधा कृष्ण की मामी हुई। कृष्ण की गोपिओं कौन थी? पदम् पुराण उत्तर खंड अध्याय 245 कलकत्ता से प्रकाशित में लिखा है कि रामचंद्र जी दंडक –अरण्य वन में जब पहुचें तो उनके सुंदर स्वरुप को देखकर वहां के निवासी सारे ऋषि मुनि उनसे भोग करने की इच्छा करने लगे। उन सारे ऋषिओं ने द्वापर के अंत में गोपियों के रूप में जन्म लिया और रामचंद्र जी कृष्ण बने तब उन गोपियों के साथ कृष्ण ने भोग किया। इससे उन गोपियों की मोक्ष हो गई। वर्ना अन्य प्रकार से उनकी संसार रुपी भवसागर से मुक्ति कभी न होती।

क्या गोपियों की उत्पत्ति का दृष्टान्त बुद्धि से स्वीकार किया जा सकता है? श्रीकृष्ण जी महाराज का वास्तविक रूप अभी तक हम पुराणों में वर्णित गोपियों के दुलारे, राधा के पति, रासलीला रचाने वाले कृष्ण के विषय में पढ़ रहे थे जो निश्चित रूप से असत्य है। अब हम योगिराज, नीतिनिपुण , महान कूटनीतिज्ञ श्री कृष्ण जी महाराज के विषय में उनके सत्य रूप को जानेगे। आनंदमठ एवं वन्दे मातरम के रचियता बंकिम चन्द्र चटर्जी जिन्होंने 36वर्ष तक महाभारत पर अनुसन्धान कर श्रीकृष्ण जी महाराज पर उत्तम ग्रन्थ लिखा ने कहाँ हैं कि महाभारत के अनुसार श्रीकृष्ण जी की केवल एक ही पत्नी थी जो की रुक्मणी थी। उनकी 2 या 3 या 16000 पत्नियाँ होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। रुक्मणी से विवाह के पश्चात श्रीकृष्ण रुक्मणी के साथ बदरिक आश्रम चले गए और 12वर्ष तक तप एवं ब्रहमचर्य का पालन करने के पश्चात उनका एक पुत्र हुआ जिसका नाम प्रदुमन था. यह श्रीकृष्ण के चरित्र के साथ अन्याय हैं की उनका नाम 16000 गोपियों के साथ जोड़ा जाता है। महाभारत के श्रीकृष्ण जैसा अलौकिक पुरुष , जिसे कोई पाप नहीं किया और जिस जैसा इस पूरी पृथ्वी पर कभी–कभी जन्म लेता है। स्वामी दयानद जी सत्यार्थ प्रकाश में वहीँ कथन लिखते है जैसा बंकिम चन्द्र चटर्जी ने कहा है। पांडवों द्वारा जब राजसूय यज्ञ किया गया तो श्री कृष्ण जी महाराज को यज्ञ का सर्वप्रथम अर्घ प्रदान करने के लिए सबसे ज्यादा उपर्युक्त समझा गया जबकि वहां पर अनेक ऋषि मुनि , साधू महात्मा आदि उपस्थित थे। वहीँ श्री कृष्ण जी महाराज की श्रेष्ठता समझे की उन्होंने सभी आगंतुक अतिथियो के धुल भरे पैर धोने का कार्य भार लिया। श्रीकृष्ण जी महाराज को सबसे बड़ा कूटनितिज्ञ भी इसीलिए कहा जाता है क्यूंकि उन्होंने बिना हथियार उठाये न केवल दुष्ट कौरव सेना का नाश कर दिया बल्कि धर्म की राह पर चल रहे पांडवो को विजय भी दिलवाई। ऐसे महान व्यक्तित्व पर चोर, लम्पट, रणछोर, व्यभिचारी, चरित्रहीन , कुब्जा से समागम करने वाला आदि कहना अन्याय नहीं तो और क्या है और इस सभी मिथ्या बातों का श्रेय पुराणों को जाता है। इसलिए महान कृष्ण जी महाराज पर कोई व्यर्थ का आक्षेप न लगाये एवं साधारण जनों को श्र कृष्ण जी महाराज के असली व्यक्तित्व को प्रस्तुत करने के लिए पुराणों का बहिष्कार आवश्यक है और वेदों का प्रचार अति आवश्यक है। और फिर भी अगर कोई न माने तो उन पर यह लोकोक्ति लागु होती हैं–जब उल्लू को दिन में न दिखे तो उसमें सूर्य का क्या दोष है? प्रोफैसर उत्तम चन्द शरर जन्माष्टमि पर सुनाया करते थे

तुम और हम हम कहते हैं आदर्श था इन्सान था मोहन। तुम कहते हो अवतार था, भगवान था मोहन।। हम कहते हैं कि कृष्ण था पैगम्बरो हादी। तुम कहते हो कपड़ों के चुराने का था आदि।। हम कहते हैं जां योग पे शैदाई थी उसकी।तुम कहते हो कुब्जा से शनासाई थी उसकी।।हम कहते है सत्यधर्मी था गीता का रचौया। तुम साफ सुनाते हो कि चोर था कन्हैया।। हम रास रचाने में खुदायी ही न समझे। तुम रास रचाने में बुराई ही न समझे।।इन्साफ से कहना कि वह इन्सान है अच्छा।या पाप में डूबा हुआ भगवान है अच्छा।। (योगिराज श्री कृष्ण ध्यानावस्था में)

आर्य समाज वजीरपुर की स्वर्ण जयन्ती

आर्य समाज वजीरपुर जे.जे.कालोनी,दिल्ली का स्वर्ण जयन्ती समारोह दिनांक 28,29,30 अप्रैल 2017 को आचार्य प्रेमपाल शास्त्री(उपप्रधान,सार्वदेशिक सभा व प्रधान, आर्य पुरोहित सभा,दिल्ली) के कुशल नेतृत्व में मनाया जा रहा है। सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी मुख्य अतिथि होंगे व परिषद् अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ध्वजारोहण कर समारोह का उद्घाटन करेंगे। सभी आर्य जनों से अपील है कि भारी सख्या में सपरिवार पंहुचे।

–भूदेव आर्य, मंत्री

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ ओ३म् ॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का आह्वान

हम मस्तों में आन मिले कोई हिम्मत वाला रे

हमारा लक्ष्य मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त, देशभक्त, चरित्रवान युवा पीढ़ी का निर्माण

ओ३म् बलमुपास्व

1. राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर

शनिवार 10 जून से रविवार 18 जून 2017 तक

स्थान : ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर 44, नोएडा

सम्पर्क : श्री सौरभ गुप्ता- 9971467978, श्री अरुण आर्य - 9818530543

2. दिल्ली आर्य कन्या शिविर

रविवार 21 मई से 28 मई 2017 तक

स्थान : आर्य समाज, संदेश विहार, पीतमपुरा, दिल्ली

उर्मिला आर्या-9711161843, अर्चना पुष्करणा-9899555280 सीमा कपूर-9968850921

3. बहादुरगढ़ आर्य कन्या शिविर

रविवार 16 अप्रैल से रविवार 23 अप्रैल 2017 तक

स्थान: गुरूकुल लोवा कलां, बहादुरगढ़, हरियाणा

श्रीकृष्ण दहिया (प्रांतीय मंत्री)-9812781154, डॉ. राजन मान-9416054033

4. राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 4 जून से रविवार 11 जून 2017 तक

डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, नारनौल रोड, बहरोड़, जिला अलवर

सम्पर्क : आचार्य रामकृष्ण शास्त्री-09887669603 मा. सत्यपाल आर्य-9001982643

5. हरियाणा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

रविवार 4 जून से रविवार 11 जून 2017 तक

स्थान: श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर-87, फरीदाबाद

डॉ. गजराज सिंह-9213771515, जितेन्द्र सिंह-9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य-9350615369

6. पलवल युवक निर्माण शिविर

सोमवार 12 जून से रविवार 18 जून 2017 तक

स्थान: दयानन्द उच्च विद्यालय, पातली गेट, पलवल, हरियाणा

सम्पर्क: स्वामी श्रद्धानन्द जी-9416267482, दिनेश आर्य-9813289555

7. कैथल युवक निर्माण शिविर

रविवार 28 मई से रविवार 4 जून 2017 तक

स्थान: गुरु ब्रह्मानन्द आश्रम, बणी, पुण्डरी, कैथल

सम्पर्क : राजेश्वर मुनी-9896960064, स्वामी बलेश्वरानन्द जी

8. राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर

शुक्रवार 28 अप्रैल से रविवार 30 अप्रैल 2017 तक

स्थान: गुरुकुल ग्राम खेड़ाखुर्द, दिल्ली-110082

सम्पर्क: श्री मनोज मान-9868174111, सूर्यदेव आर्य-9416615536

9. मध्य प्रदेश प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

बुधवार 31 मई से रविवार 4 जून 2017 तक

स्थान: नूतन हायर सेकेण्डरी स्कूल, सिहोर, मध्य प्रदेश

सम्पर्क : आ. भानुप्रताप वेदालंकार-09977967777, विजय राठौर-9826478295

10. उत्तराखण्ड योग-आयुर्वेद-प्राकृतिक चिकित्सा शिविर

रविवार 03 अप्रैल से 09 अप्रैल 2017 तक

स्थान : गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौढ़ी गढ़वाल

सम्पर्क : ब्र. विश्वपाल जयन्त-09837162511

11. जम्मू-कश्मीर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 26 जून से रविवार 2 जुलाई 2017 तक

स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू

सम्पर्क : श्री सुभाष बब्बर-09419301915, रमेश खजुरिया-9797384053

12. उड़ीसा युवक निर्माण शिविर

रविवार 29 अप्रैल से 5 मई 2017 तक

स्थान: वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा

सम्पर्क : आचार्य धनेश्वर बेहरा-09337117429

13. जयपुर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 19 जून से 25 जून 2017 तक

संस्कार भवन, जी. एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर

सम्पर्क : श्री यशपाल यश-09414360248, डॉ. प्रमोद पाल-9828014018

14. देहरादून आर्य कन्या शिविर

रविवार 28 मई से शनिवार 3 जून 2017 तक

स्थान : आर्य समाज, सुभाष नगर, देहरादून

संरक्षक: ई. प्रेम प्रकाश शर्मा-9412051586, संयोजक: ओमप्रकाश मलिक-9411584016

15. कुमाऊं युवक निर्माण शिविर

मंगलवार 13 जून से 18 जून 2017 तक

स्थान: दिव्या ज्योति पब्लिक स्कूल, पुरड़ा गरुड़, बागेश्वर

संरक्षक: गोविन्दसिहं भण्डारी-09412930200, संयोजक: शंकर गोस्वामी-9411079503

16. हरिद्वार युवक निर्माण शिविर

रविवार 4 जून से रविवार 11 जून 2017 तक

स्थान : आर्य समाज, रूड़की, हरिद्वार, उत्तराखण्ड

संरक्षक: मानपाल सिंह, संयोजक: हाकिम सिंह-9058301000

17. हापुड़ आर्य कन्या शिविर

मंगलवार 23 मई से मंगलवार 30 मई 2017 तक

स्थान: आर्य कन्या इण्टर कॉलेज, स्वर्गआश्रम रोड, हापुड़ (उ.प्र.)

संरक्षक: आनन्द प्रकाश आर्य-9837086799, संयोजक: अल्का सिंघल-9927267726

18. झारखण्ड योग साधना शिविर

रविवार 21 मई से रविवार 28 मई 2017 तक

स्थान: आर्ष कन्या गुरुकुल, आर्य समाज हजारीबाग, झारखण्ड

सानिध्य: आचार्य संदीप जी, संयोजक: आचार्य कृष्णदेव कौटिल्य-9430309525

19. जीन्द युवक निर्माण शिविर

वीरवार 1 जून से वीरवार 8 जून 2017 तक

स्थान: स्वामी दयानन्द हाई स्कूल,भटनागर कालोनी, रोहतक रोड, जीन्द

संयोजक: आचार्य योगेन्द्र शास्त्री-9416138045

20. करनाल युवक निर्माण शिविर

बुधवार 31 मई से रविवार 4 जून 2017 तक

स्थान: आर्य समाज प्रेम नगर, करनाल, हरियाणा

स्वतन्त्र कुकरेजा-9813041360, अजय आर्य-9416128075, रोशन आर्य-9812020862

हम अभावों के बावजूद रहते हैं नम्बर वनः यानी सबसे आगे

निवेदक

डा. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	रामकुमार सिंह	गवेन्द्र शास्त्री	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9868064422	9810884124	9871581398

केन्द्रीय कार्यालय: आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, फोन-9868661680, 9958889970

Email: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

Printed by: # PrintoGraph 9818950391

दिल्ली की सुप्रसिद्ध आर्य समाज माडल बस्ती का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 9 अप्रैल 2017, आर्य समाज, माडल बस्ती, नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। वीरवार, 6 अप्रैल से रविवार, 9 अप्रैल 2017 तक स्वामी आर्यवेश जी प्रातः यज्ञ के ब्रह्मा रहे व रात्री प्रवचनों की धूम रही। पं.सन्दीप आर्य के मधुर भजन हुए। चित्र में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ध्वजारोहण करते हुए,साथ में श्री सुशील बाली,समाज के प्रधान श्री अमरनाथ गोगिया, मंत्री श्री आदर्श आहूजा, स्वामी आर्यवेश जी,श्री राजेश बजाज व राजेश आर्य आदि। संयोजक श्री प्रदीप गोगिया,श्री जयप्रकाश शास्त्री,श्री रविदत आर्य,श्री वेदप्रकाश गोगिया,श्री विवेक आर्य ने व्यवस्था सम्भाली। द्वितीय चित्र में प्रधान श्री अमरनाथ गोगिया, विवेक आर्य, ओम सपरा, स्वामी आर्यवेश, संतोष शास्त्री व श्री के.के. सेठी।

आर्य समाज, नन्दग्राम, गाजियाबाद के वार्षिकोत्सव पर यज्ञ, भजन, प्रवचन, व्यायाम प्रदर्शन हुए

रविवार, 2 अप्रैल 2017, आर्य समाज, नन्दग्राम, गाजियाबाद के वार्षिकोत्सव पर ध्वजारोहण करते डा. अनिल आर्य, साथ में केन्द्रीय सभा के मंत्री श्री योगेश त्यागी, परिषद् के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य,रामनिवास शास्त्री, सुरेश आर्य, महेन्द्र भाई। द्वितीय चित्र में आर्य समाज के अधिकारी प्रधान प्रेमपाल सिंह,मंत्री रमेश चौधरी,कोषाध्यक्ष सुरेशप्रसाद आर्य,व शिक्षक सौरभ गुप्ता आदि।

दिल्ली के सर्वश्रेष्ठ, सुरम्य ''गुरूकुल खेड़ाखुर्द'' का वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

रविवार, 2 अप्रैल 2017, गुरूकुल खेड़ाखुर्द, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डा. अनिल आर्य का स्वागत करते प्रधान चौ. ब्रह्मप्रकाश मान, मंत्री श्री मनोज मान,स्वामी विश्वानन्द जी,श्री अमित मान। द्वितीय चित्र में–प्रधान चौ.ब्रह्मप्रकाश मान सम्बोधित करते हुए। साथ में आचार्य सुधांशु जी,राष्ट्रीय कवि प्रो.सारस्वतमोहन मनीषी,डा.अनिल आर्य,चौ.वीरेन्द्र ठाकरान,योगेन्द्र शास्त्री आदि।

आर्य नेता हरिओम दलाल व युवा नेता विकास शर्मा का अभिनन्दन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् बहादुरगढ़ के अध्यक्ष श्री हरिओम दलाल (एडवोकेट) का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, सूर्यदेव व्यायामाचार्य, स्वतन्त्र कुकरेजा, वीरेन्द्र योगाचार्य, महेन्द्र भाई, रामकुमार आर्य व धर्मपाल आर्य। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, रोहतास नगर, दिल्ली के वार्षिकोत्सव पर परिषद् के कर्मठ शिविरार्थी श्री विकास शर्मा का अभिनन्दन करते श्री जवाहर भाटिया, कै.अशोक गुलाटी, ईशकुमार नांरग, माता विजयारानी शर्मा आदि। प्रधान श्री रामपाल पंचाल ने कुशल संचालन किया।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 38 वें स्थापना दिवस पर

भव्य संगीत संध्या

पं. दिनेश पथिक (अमृतसर) द्वारा

शनिवार, 3 जून 2017, शाम 6 बजे

स्थानः आर्य समाज,कबीर बस्ती,पुरानी सब्जी मण्डी,दिल्ली–7

यज्ञः– सायं 5 बजे आचार्य महेन्द्र भाई के ब्रह्मत्व में होगा

प्रीति–भोज : रात्री–7.30 बजे से 8.30 बजे तक

आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं

निवेदक

ओम प्रकाश आर्य	डॉ. अनिल आर्य	देवेन्द्र भगत	सुनील खुराना
प्रधान	कार्यकर्त्ता प्रधान	मन्त्री	कोषाध्यक्ष

देहरादून चलो आर्यो–

स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस समारोह

रविवार, 14 मई 2017,प्रातः 7 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक

स्थानः वैदिक साधन आश्रम,तपोवन,देहरादून

आर्यो हजारों की संख्या में पंहुचे, यथोचित सुन्दर प्रबन्ध हेतु मंत्री श्री प्रेमप्रकाश शर्मा जी को पूर्व सूचित कर देवें। दिल्ली से जाने के लिये स्पेशल बसों की व्यवस्था रहेगी जो कि शुकवार 12 मई को रात्री 10 बजे चलेगी और हरिद्वार होते हुए शनिवार, 13 मई की शाम को देहरादून पंहुचेगी।

सम्पर्क करें–महेन्द्र भाई, 9013137070,प्रवीन आर्य, 9911404423, अरूण आर्य, 9870581398,देवेन्द्र भगत, 9312406810।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970